केन्द्रीय मंत्री श्री अमित शाह और श्री नितिन गडकरी ने 17वीं लोक सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के साथ अपने अनुभवों को साझा किया

नई दिल्ली, 4 जुलाई 2019: केन्द्रीय गृह मंत्री, श्री अमित शाह और केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग एवं सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम मंत्री, श्री नितिन जयराम गडकरी ने आज मुख्य समिति कक्ष, संसदीय सौध में आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम में 17वीं लोक सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रबोधन कार्यक्रम के दूसरे दिन 17वीं लोक सभा के नए सदस्यों का स्वागत करते हुए, लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने कहा कि उन्हें यह देखकर प्रसन्नता हुई कि इस कार्यक्रम में नवनिर्वाचित सदस्यों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि संसदीय कार्यवाहियों, प्रश्न काल, शून्य काल और नियम 377 के अधीन मामलों को उठाने के लिए पहली बार निर्वाचित सदस्यों को पूरा अवसर प्रदान किया जा रहा है और उनका यह प्रयास रहेगा कि 17वीं लोक सभा के पहले सत्र के दौरान किसी वाद-विवाद या अन्य किसी चर्चा में सभी नए संसद सदस्यों की भागीदारी हो।

"प्रभावी सांसद कैसे बनें?" विषय पर अपने अनुभवों को साझा करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के संसद सदस्यों के रुप में हम औसत रूप से 15 लाख से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं और हम संसद की गरिमा और प्रतिष्ठा का प्रतिनिधितत्व करते हैं। श्री शाह ने यह भी कहा कि भारत में लोकतंत्र और गणतंत्र का अस्तित्व प्राचीन काल से विद्यमान रहा है तथा हमारे देश ने स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् समुचित रूप से बहुदलीय लोकतंत्र की प्रणाली का चयन किया है। इस बात का उल्लेख करते हुए कि देश में संसद सर्वोच्च कानून बनाने वाली संस्था है, श्री शाह ने कहा कि यह सभी सदस्यों का कर्तव्य है कि वे इसमें अपना पूरा योगदान दें। प्रभावी सांसद बनने के लिए यह अनिवार्य है कि सभी सदस्य महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक शोध करने की रुचि को विकसित करें, संसद के

कार्यक्षेत्र में आने वाले मुद्दों की समुचित रूप से पहचान करें, वाद-विवाद में होने वाली चर्चा को ध्यान से सुनें और संसद ग्रंथालय में उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करें क्योंकि ग्रंथालय में उपलब्ध सामग्री सूचना का विशाल भंडार है। संविधान को बेहतर ढंग से समझने के लिए संसद सदस्यों को संविधान सभा में हुए वाद-विवादों का अध्ययन गंभीरतापूर्वक करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभा के नियमों और प्रक्रियाओं का सम्यक ज्ञान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है और संसदीय समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया जो कि कार्यपालिका के कार्यों की निगरानी करती है। उन्होंने सदस्यों को संसदीय समितियों द्वारा विचारार्थ लिए जा रहे विषयों का गहनता से अध्ययन करने का परामर्श दिया और अधिदेशित निदेशों के अनुसार एमपीलैड्स निधियों का उपयोग करने के बारे में सचेत किया।

श्री शाह ने इस बात को रेखांकित किया कि राज्य के तीनों अंगों-अर्थात् विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच बराबर संतुलन होना चाहिए और विधायिका को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है ताकि कार्यपालिका और न्यायपालिका हावी न हो।

संसदीय प्रश्न और प्रक्रियात्मक साधनों के अंतर्गत सदन में उठाए जाने वाले मुद्दों पर केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि संसद में प्रश्न उठाने से पूर्व उन्हें पूरी तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सदस्यों को पहले अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में निर्णय लेना चाहिए। यदि वे अपने विशेषज्ञता से संबंधित प्रश्न पूछेंगे, तो उनके विचारों को बेहतर ढंग से सुना और समझा जाएगा। उन्होंने यह भी मशवरा दिया कि सांसदों को सदन में मामलों को संक्षिप्त में उठाना चाहिए और अपनी रूचि के विषयों में अपेक्षित ज्ञान हासिल करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सदस्यों को विद्वेषपूर्ण प्रवृत्ति से प्रश्न नहीं पूछने चाहिए अपितु राष्ट्रहित, जनहित संबंधी प्रश्न पूछे जाने से उनकी छवि बेहतर होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सांसद कार्यवाही में प्रभावी भागीदारी करते हैं तो उनकी बात को कवरेज मिलेगा।

श्री गडकरी ने आगे कहा कि संसद सर्वोच्च है और हमारा संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। इसकी समुचित समझ से सदस्यों के ज्ञान में वृद्धि होगी और वे संसदीय प्रणाली को मजबूत करने में सक्षम होगें। उन्होंने रेखांकित किया कि सभा पटल पर मुद्दों को उठाने के लिए

सदस्यों का सकारात्मक विकास-उन्मुख और रचनात्मक दृष्टकोण होना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नए सांसदों की नई सोच नए भारत का निर्माण करेगी।

संसदीय अध्ययन और प्रशिक्षण ब्यूरो (बीपीएसटी), लोक सभा सचिवालय द्वारा चार दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसका उद्घाटन 3 जुलाई, 2019 को केन्द्रीय रक्षा मंत्री, श्री राजनाथ सिंह द्वारा किया गया। लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला; संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री, श्री प्रह्लाद जोशी तथा लोक सभा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता, श्री अधीर रंजन चौधरी ने प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के समय कल सदस्यों को संबोधित किया था।